भजन

प्रेम प्रेम दुनिया ने गाया है,
प्रेम न दुनिया में पहले आया है

1–नवधा से न्यारी ये भक्ति है,प्रेम से ही मिलनी सबको मुक्ति है
शास्त्र भी पुकारते ही रह गए,प्रेम बिना सब अधूरे रह गए
प्रेम नहीं आज तलक पाया है,प्रेम न....

2–प्रेम के जो पात्र हैं वो पायेंगे,बाकी सब पुकारते रह जायेंगे
प्रेम की बड़ी ये ठ्कुराई है,प्रेम में न चलती चतुराई है
प्रेम से ही सखियों ने रिझाया है,प्रेम न....

3–माया का ही दुनिया में पसारा है,प्रेम का तो ठौर सबसे न्यारा है
प्रेम से ही झूठे बंध छूटे है,दुनिया के ये रिश्ते नाते झूठे है
जाग्रत बुध से समझ आया है,प्रेम न....